तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री से.
न्यूनतम 28.0 डिग्री से.

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 6 जुलाई 2026

बहन को एचटेट दिलवाने जा रहे युवक की मौत, हादसे में युवती गंभीर रूप से घायल

बिंदरौली फ्लाईओवर पर बोलेरो से टकराई बाइक, परिवार का इकलौता बेटा था कपिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

एचटेट परीक्षा दिलाने के लिए अपनी बहन को बाइक पर लेकर सोनीपत आ रहे एक युवक की रविवार को सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसकी बहन गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसा बिंदरौली फ्लाईओवर पर हुआ।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। गांव हलालपुर निवासी सुमित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके चाचा जसबीर का 22 वर्षीय बेटा कपिल अपनी बड़ी बहन अंजली को एचटेट परीक्षा दिलाने के लिए बाइक से सोनीपत ला रहा था। बिंदरौली फ्लाईओवर पर आगे चल रही बोलेरो पिकअप के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे कपिल की बाइक वाहन के पीछे जा टकराई। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे में कपिल के सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अंजली गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे पहले नागरिक अस्पताल, सोनीपत ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर बोलेरो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कपिल परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी असमय मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

■ पुलिस ने बोलेरो चालक के खिलाफ केस दर्ज किया, युवती प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर

सोनीपत के मॉडल टाउन में परीक्षा के बाद जाम लगा

एचटेट : सुबह और शाम के सत्र में 11051 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 2717 रहे अनुपस्थित

दो दिन में पीजीटी, टीजीटी और पीआरटी की परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न, सीसीटीवी व एआई निगरानी में हुई लाइव मॉनिटरिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की ओर से आयोजित दो दिवसीय हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा (एचटेट) रविवार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। जिले में तीनों स्तरों की परीक्षा के लिए पंजीकृत 13,768 अभ्यर्थियों में से 11,051 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 2,717 अनुपस्थित रहे। परीक्षा सभी केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, जैमर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉनिटरिंग के बीच संपन्न कराई गई। रविवार को सुबह के सत्र में लेवल-2 (टीजीटी) की परीक्षा 22 केंद्रों पर हुई, जिसमें 6,843 में से 5,606 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1,237 अनुपस्थित रहे। वहीं शाम के सत्र में लेवल-1 (पीआरटी) की परीक्षा 10 केंद्रों पर आयोजित हुई। इसमें 2,964 में से 2,277 अभ्यर्थी शामिल हुए और 687 गैरहाजिर रहे। पहले दिन लेवल-3 (पीजीटी) परीक्षा में 3,961 में से 3,168 अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से एक घंटा पहले तक ही प्रवेश दिया गया। दस्तावेजों की जांच, बायोमीट्रिक सत्यापन, मेटल डिटेक्टर से जांच और अन्य सुरक्षा प्रक्रियाओं के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश मिला। महिला अभ्यर्थियों को आभूषण और अन्य प्रतिबंधित वस्तुएं बाहर ही उतरवानी पड़ीं। सभी केंद्रों पर धारा-163 लागू रही। सुबह की परीक्षा समाप्त होने के दौरान हुई बारिश से कई केंद्रों के बाहर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर के कई हिस्सों में यातायात भी प्रभावित रहा। एक परीक्षा केंद्र पर प्रश्नपत्र की पेज नंबरिंग को लेकर अभ्यर्थी ने भ्रम की शिकायत भी की, हालांकि अधिकांश परीक्षार्थियों ने पेपर को तैयारी के अनुरूप बताया।

700 पुलिसकर्मी और 17 पेट्रोलिंग पार्टियां तैनात रहीं

परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए करीब 700 पुलिसकर्मी और 17 पेट्रोलिंग पार्टियां तैनात रहीं। जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया ने बताया कि दोनों सत्रों में लगभग 81.92 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

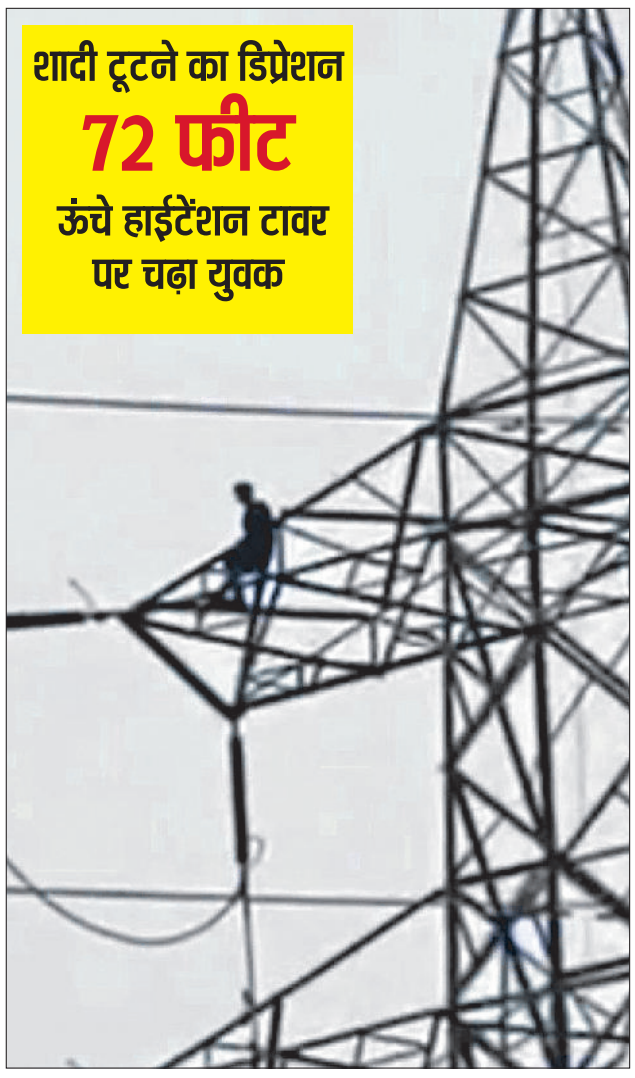

पांच घंटे बाद सुरक्षित उतारा

सोनीपत। कुंडली के प्याऊ मनियारी क्षेत्र में रविवार दोपहर शादी टूटने से मानसिक तनाव में आया एक युवक करीब 72 फीट ऊंचे हाईटेंशन ट्रांसमिशन टावर पर चढ़ गया। करीब पांच घंटे तक चले संयुक्त रेस्क्यू अभियान के बाद पुलिस, प्रशासन, बिजली निगम और एनडीआरएफ की टीम ने शाम करीब सात बजे उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया। युवक की पहचान उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के भोगनीपुर निवासी सरोज कुमार के रूप में हुई है, जो फिलहाल कुंडली की पेपर मिल कॉलोनी में किराये पर रहता है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने बताया कि हाल ही में उसका रिश्ता टूट गया था, जिससे वह मानसिक तनाव में था और इसी कारण टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही कुंडली थाना पुलिस, मुरथल ट्रैफिक पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। किसी भी हादसे से बचने के लिए 220 केवी हाईटेंशन लाइन की बिजली आपूर्ति तुरंत बंद कराई गई। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू अभियान शुरू किया।

एनएच-44 पर करीब डेढ़ किमी. लंबा जाम लगा

टावर के नीचे मिली शराब की खाली बोतल

बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार संबंधित ट्रांसमिशन टावर से कुंडली औद्योगिक क्षेत्र को बिजली आपूर्ति होती है। रेस्क्यू पूरा होने के बाद ही सप्लाई बहाल की गई। टावर के नीचे युवक की चप्पल, शराब की खाली बोतल, गिलास और नमकीन का पैकेट भी मिला है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि उसने शराब का सेवन किया था या नहीं। घटना के दौरान बड़ी संख्या में लोग हाईवे पर जुट गए और वीडियो बनाने लगे, जिससे यातायात प्रभावित हुआ।

खबर संक्षेप

सैर कर रहे युवक की हार्ट फेल होने से मौत

खरखौदा। क्षेत्र में कम उम्र के लोगों में हार्ट अटैक और अचानक हृदय गति रुकने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। हाल ही में 23 वर्षीय खजान सिंह की सुबह सैर करने के दौरान खांडा बाईपास के पास अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। वह खरखौदा तहसील कार्यालय में निजी कार्य करता था। इससे पहले भी खरखौदा और आसपास के गांवों में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराग अरोड़ा का कहना है कि बदलती जीवनशैली, असंतुलित खान-पान और बढ़ते प्रदूषण के कारण हृदय रोग का खतरा कम उम्र में भी बढ़ रहा है। उन्होंने सलाह दी कि प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार पूरा स्वास्थ्य परीक्षण कराना चाहिए। विशेषकर जोखिम वाले लोगों को हर छह महीने में हृदय रोग विशेषज्ञ से जांच कराकर आवश्यक सलाह और परीक्षण कराते रहना चाहिए।

अदालत में पेश नहीं हुआ आरोपी, उद्घोषित घोषित

खरखौदा। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (एसडीजेएम) खरखौदा ने अदालत में लगातार अनुपस्थित रहने पर वार्ड-11, मटिंडू रोड निवासी जिले सिंह को उद्घोषित व्यक्ति (प्रोक्लेम्ड पर्सन) घोषित कर दिया। अदालत ने थाना खरखौदा को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-209 के तहत नया मामला दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए हैं। अदालत के अनुसार आरोपी के खिलाफ जारी उद्घोषणा 2 जून 2026 को विधिवत प्रकाशित की गई थी और उसे 3 जुलाई तक अदालत में पेश होने के आदेश दिए गए थे। निर्धारित अवधि बीतने के बाद भी आरोपी अदालत में उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद अदालत ने उसे उद्घोषित व्यक्ति घोषित कर दिया। कोर्ट के आदेश पर उसके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मोबाइल व नकदी छीनने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट ने मारपीट कर मोबाइल फोन और 44 हजार रुपये छीनने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विशाल उर्फ लाकड़ा निवासी सांदल कलां, हाल बैयापुर खुर्द तथा गुल्फाम निवासी मसद मोहल्ला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पटेल नगर निवासी सूरजभान ने शिकायत दी थी कि 29 जून की रात बंदेपुर स्कूल के पास विशाल और उसके साथियों ने उस पर पत्थर से हमला कर दिया और उसकी जेब से 44 हजार रुपये व मोबाइल फोन छीन लिया। घटना में घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।गिरफ्तार आरोपी विशाल उर्फ लाकड़ा के खिलाफ पहले भी चार मामले दर्ज हैं।

अवैध पिस्टल और कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सोनीपत। एसयूएजी सेक्टर-7 पुलिस टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में तिहाड़ मलिक निवासी नितीश उर्फ छोटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि एक युवक गोहाना रोड पर तिहाड़ मलिक मोड़ के पास पुल के नीचे अवैध हथियार के साथ खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से .315 बोर का देशी पिस्टल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अवैध हथियार रखने के मामले में तीसरा आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट की टीम ने अवैध हथियार रखने के एक मामले में तीसरे आरोपी सचिन उर्फ चीनू निवासी शेखपुरा को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 12 जून को गोहाना–सोनीपत रोड स्थित रतनगढ़ मोड़ के पास वेदप्रकाश को एक देशी पिस्टल, पांच कारतूस और 57 जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में पहले ही वेदप्रकाश और राहुल को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच के दौरान तीसरे आरोपी सचिन उर्फ चीनू की संलिप्तता सामने आने पर उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में शिवपुरी, कुंडली निवासी अभिषेक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 30 जून को एक महिला ने शिकायत दी थी कि उसकी नाबालिग बेटी 29 जून से घर से लापता है। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग को बरामद किया और न्यायालय के आदेशानुसार उसके बयान दर्ज कराए। इसके बाद महिला विशेषज्ञों व लीगल एड के माध्यम से पीड़िता की काउंसलिंग भी कराई गई। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मामले में पॉक्सो अधिनियम की धाराएं भी जोड़ी गईं। इसके बाद पुलिस ने आरोपी अभिषेक को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

बारिश में जलमग्न शहर

सोनीपत। जिले में 2 जुलाई को मानसून के आगमन के बाद रविवार को पुन: अधिकतर क्षेत्रों में करीब आधा घंटा हुई झमाझम बारिश ने लोगों को राहत दिलाई। वहीं कई जगह सड़कों व कई कॉलोनियों की गलियां बारिश के पानी से जलमग्न हो गई। शहर में जगह-जगह हुए जलभराव ने एक बार फिर नगर निगम के निकासी व्यवस्था के दावों की पोल खोल दी। थोड़ी-सी बारिश से ही अधिकारियों के दावे फेल नजर आए। हालांकि जिले का खरखौदा क्षेत्र बारिश से अछूता रहा। फिर रात तक आसमान में बादल छाए रहने से बारिश के आसार बने रहे। ...विस्तृत समाचार पेज 14 पर

सोनीपत से हरिद्वार के लिए सीधी एसी बस सेवा शुरू

रोजाना सुबह 5.15 बजे सोनीपत से होगी रवाना वापसी में हरिद्वार से सुबह 10.45 बजे चलेगी बस

एसी बस के लिए 441 रुपये किराया देना होगा, धार्मिक यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

एआई जनरेटेड

हरियाणा रोडवेज ने सोनीपत से हरिद्वार जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए सीधी वातानुकूलित (एसी) बस सेवा शुरू कर दी है। नई सेवा का शुभारंभ रविवार सुबह 5:15 बजे सोनीपत बस अड्डे से बस रवाना कर किया गया। इस बस में प्रति यात्री 441 रुपये किराया निर्धारित किया गया है। रोडवेज अधिकारियों के अनुसार हरिद्वार रूट पर यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या और एसी बस की मांग को देखते हुए यह सेवा शुरू की गई है। वर्तमान में इस रूट पर तीन साधारण बसें संचालित हो रही हैं, जिनका किराया 335 रुपये है। अब यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा के साथ सीधी और आरामदायक एसी बस सेवा उपलब्ध होगी।नई बस रोजाना सुबह 5:15 बजे सोनीपत से हरिद्वार के लिए रवाना होगी, जबकि वापसी में सुबह 10:45 बजे हरिद्वार से सोनीपत के लिए चलेगी। इससे यात्रियों को दोनों दिशाओं में नियमित और समयबद्ध परिवहन सुविधा मिलेगी। गौरतलब है कि 18 जून को सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक में रोडवेज अधिकारियों को हरिद्वार के लिए सीधी एसी बस सेवा शुरू करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद विभाग ने इस रूट पर एसी बस का संचालन शुरू किया। हरिद्वार के लिए एसी बस का परिचालन शुरू होने से खासकर उन श्रद्धालुओं, यात्रियों को ज्यादा लाभ मिल सकेगा, जो गंगा स्नान, धार्मिक आयोजनों या तीर्थ यात्रा के लिए हरिद्वार जाते हैं। ऐसे में उन्हें निजी वाहनों या कई बसें बदलकर सफर नहीं करना पड़ेगा। यात्रियों का एक ही बस से सीधे तौर पर आरामदायक सफर संभव होगा। साथ ही यात्रियों को समय की बचत भी होगी। वहीं यात्रियों ने रोडवेज विभाग के इस प्रयास को सराहनीय बताया है। यात्रियों का मानना है कि गर्मी के मौसम में एसी बस से सफर अधिक आरामदायक रहेगा।

यात्रियों को मिलेगा आरामदायक सफर

सांसद व उच्च अधिकारियों के निर्देश पर रविवार को सोनीपत से हरिद्वार के लिए सीधी एसी बस सेवा प्रारंभ की गई है। विभाग की इस पहल से सोनीपत सहित आसपास क्षेत्रों के लोगों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलने के साथ धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उक्त रूट पर यात्रियों की संख्या में इजाफा होने की संभावना है, जिससे यात्रियों को सुविधा के साथ विभाग को आर्थिक लाभ होगा।
-संजय कुमार, रोडवेज महाप्रबंधक

ऑक्सफोर्ड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे अंशुमन

गन्नौर। अंशुमन त्यागी को मिठाई खिलाते माता-पिता।

गन्नौर। गढ़ी केसरी निवासी अंशुमन त्यागी का चयन यूनाइटेड किंगडम की प्रतिष्ठित संस्था यूनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफोर्ड में आयोजित होने वाली मैप द सिस्टम ग्लोबल फाइनल प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

यह प्रतियोगिता 8 से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। अंशुमन त्यागी वर्तमान में गोवा प्रबंधन संस्थान (जीआईएम) का प्रतिनिधित्व करते हुए पांच सदस्यीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। उनकी टीम भारत का प्रतिनिधित्व इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर करेगी। अंशुमन, रोटरी क्लब से जुड़े अजय त्यागी और इंदिरा त्यागी के पुत्र हैं। चयन की जानकारी मिलते ही परिवार में खुशी का माहौल बन गया और माता-पिता ने मिठाई खिलाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। अंशुमन ने बताया कि उनकी टीम ने दिल्ली के वायु प्रदूषण जैसे गंभीर विषय पर शोध किया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विभिन्न देशों से चयनित टीमें भाग लेती हैं, जहां प्रतिभागी जटिल सामाजिक समस्याओं का अध्ययन कर उनके समाधान के लिए नवाचारपूर्ण मॉडल प्रस्तुत करते हैं।

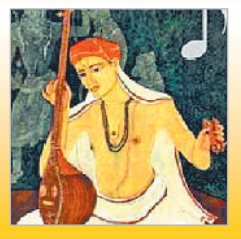

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रेम विवाह से बिखरता सामाजिक और पारिवारिक प्रेम

पुराने समय से ही एक गांव या गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

मंथन

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत की आत्मा इसके गांवों में बसती है। इस सन्दर्भ में बात जब हरियाणा की हो तो हम पाते हैं कि यहां का समाज भाईचारे और सामूहिक सोच की एक बहुत मजबूत डोर है। आज वैश्वीकरण और महानगरों की अंधी दौड़ ने इस पुराने सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक हिला दिया है। इसका सबसे बड़ा और विवादित रूप प्रेम विवाह के रूप में सामने आ रहा है। आज की युवा पीढ़ी इसे अपनी आज़ादी और संवैधानिक अधिकार मानती है, जबकि गांव के बुजुर्ग और माता-पिता इस बदलाव से बहुत डरे हुए तथा लाचार प्रतीत होते हैं।

यह सिर्फ दो पीढ़ियों की सोच का अंतर नहीं है, बल्कि पुरानी मर्यादाओं और आधुनिकता के बीच का वह टकराव है, जिसकी वजह से ग्रामीण समाज एक गहरी मानसिक चिंता में है। हमारे समाज में अप्रत्याशित सकारात्मक बदलाव हुए हैं। जो बेटियां कल तक घर के चौके-चूल्हे तक सीमित थीं, वे आज बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ रही हैं। माता-पिता अपनी जिंदगी भर की कमाई और जमीन-जायदाद दांव पर लगाकर बच्चों को इस उम्मीद से बाहर भेजते हैं कि वे समाज में उनका नाम रोशन करेंगे। इसी के साथ उन माता-पिता के दिलों में एक गहरा डर भी बैठ गया है। हर उस पिता की रातें बेचैनी में कटती हैं जिसके बच्चे शहर में पढ़ रहे हैं। उन्हें हर पल यह डर सताता है कि कहीं उनके बच्चे शहर की चकाचौंध में बहकर कोई ऐसा कदम न उठा लें, जिससे सदियों पुराना पारिवारिक सम्मान एक झटके में खत्म हो जाए। जब कोई बच्चा परिवार की मर्जी और सामाजिक मर्यादाओं के खिलाफ जाकर अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनता है तो इसका सबसे बड़ा दुख उन बूढ़े माता-पिता को होता है जिन्होंने उसे उंगली पकड़कर चलना सिखाया था। इस पूरी स्थिति का एक दूसरा पहलू भी है जिसे समझना बहुत जरूरी है। जहां पुराना समाज सामूहिक सोच को सबसे ऊपर रखता है, वहीं आज की आधुनिक शिक्षा प्राप्त युवा पीढ़ी अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों को जीवन का आधार मानती है। हमारा संविधान भी सबको अपनी पसंद से जीने और जीवनसाथी चुनने का हक देता है। आज का युवा वर्ग जाति-पाति, भारी दहेज प्रथा और जबरदस्ती थोपे गए बेमेल विवाह जैसी पुरानी कुरीतियों से आज़ाद होना चाहता है। उनके लिए शादी सिर्फ दो परिवारों का समझौता नहीं, बल्कि दो लोगों के विचारों का मिलना है। कई बार जब युवा देखते हैं कि पारंपरिक शादियों में भी महिलाओं को दहेज या घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ता है तो वे अपनी पसंद की शादी की तरफ ज्यादा झुकते हैं। इसलिए उनके इस कदम को सिर्फ मनमानी कहना गलत होगा क्योंकि यह कई बार समाज की रूढ़िवादी सोच के खिलाफ एक शांतिपूर्ण विद्रोह भी होता है। इस आधुनिकता में एक बहुत बड़ा और अजीब विरोधाभास भी है। हरियाणा के गांवों में अपनी सीमा और गोत्र में शादी न करने का नियम केवल कोई अंधविश्वास या रूढ़िवादी परंपरा नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत ही मजबूत वैज्ञानिक आधार है। पुराने समय से ही एक गांव या एक गोत्र के लोगों को आपस में भाई-बहन माना जाता रहा है ताकि एक ही गोत्र में शादी न हो। आज दुनिया का आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी हमारे पूर्वजों की इस सोच को पूरी तरह सही मानता है।

2013 में नेचर रिव्यूज जेनेटिक्स और 2019 में द लैंसेट जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं की रिपोर्टें भी यह पुष्ट करती हैं कि खून के रिश्तों में शादी करने वाले समुदायों में ऑटोसॉमल रिसेसिव विकारों का स्तर बहुत ज्यादा होता है, जो बच्चों में गंभीर शारीरिक और मानसिक विकलांगता का कारण बनता है। इसलिए गोत्र बदलकर शादी करना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि आनुवंशिक विविधता को बचाकर बच्चों को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का एक परखा हुआ वैज्ञानिक तरीका है। जब कोई युवा इस वैज्ञानिक सत्य को दरकिनार कर अपने ही गांव या गोत्र में शादी करता है तो यह केवल एक सामाजिक नियम का टूटना नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ी की सेहत से खिलवाड़ और पूरे गांव के विश्वास की हत्या मानी जाती है। यह परिवार के लिए एक ऐसा मानसिक दुख बन जाता है, जहां वे समाज को यह नहीं समझा पाते कि जिस रिश्ते को कल तक भाई-बहन माना जाता था, वह अचानक पति-पत्नी कैसे बन गया। इस सामाजिक भूचाल के पीछे गहरा आर्थिक कारण भी है।

खेती पर निर्भरता घटने और बड़े शहरों के विकसित होने से युवा काम की तलाश में तेजी से शहरों की तरफ गए हैं। पढ़-लिखकर अपने पैरों पर खड़े होने के बाद वे खुद को पारिवारिक बंधनों से आज़ाद समझने लगते हैं। शहर के अनाम माहौल में, जहां कोई किसी की जाति या गांव नहीं पूछता, युवाओं के लिए गोत्र या गांव के भाईचारे की दीवारें बेमानी हो जाती हैं और उनकी अपनी पसंद ही सबसे बड़ी हो जाती है। इस टकराव के कारण कई बार सम्मान के नाम पर हत्या यानी ऑनर किलिंग जैसी दुखद घटनाएं भी सामने आती हैं। किसी भी मनुष्य की जान लेना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय अपराध है। पुराने समय में खाप पंचायतों ने समाज को जोड़े रखने का काम किया था, लेकिन बदलते समय में उनके कुछ कड़े फैसलों और सामाजिक बहिष्कार जैसे कदमों से उनकी छवि प्रभावित हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि अब कई समझदार खाप पंचायतें भी अपनी सोच में लचीलापन ला रही हैं और गांव या गोत्र की मर्यादा न टूटने की शर्त पर अंतर-जातीय विवाहों को धीरे-धीरे स्वीकार करने लगी हैं। आज स्थिति यह है कि अपनी मर्जी से शादी करने वाले बच्चे अपने ही माता-पिता से जान का खतरा बताकर कोर्ट में सुरक्षा मांगते हैं। वहीं दूसरी तरफ, झूठी प्रतिष्ठा की आड़ में माता-पिता या भाइयों द्वारा अपने ही बच्चों की जान लेने की घटनाएं समाज को शर्मसार कर रही हैं। सरकारें और कानून प्रेम विवाह करने वालों को पुलिस सुरक्षा, आश्रय और आर्थिक मदद दे रहे हैं। कानून की नजर में यह अधिकारों की रक्षा हो सकती है, लेकिन समाज के उन लाचार माता-पिता की स्थिति कोई नहीं देखता, जिनका बच्चा रातों-रात पुलिस के साए में घर छोड़कर चला गया। व्यवस्था को ऑनर किलिंग की चिंता है, लेकिन उस सोशल किलिंग या सामाजिक मृत्यु का क्या, जो हर दिन उन बेबस माता-पिता की होती है? वे समाज के तानों और तिरस्कार के बीच जीते हैं, जो किसी भी शारीरिक मृत्यु से कहीं ज्यादा क्रूर और अंतहीन है।

> भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई।

भारतीय परिवेश में माता-पिता की सबसे बड़ी पूंजी उनके बच्चों के संस्कार होते हैं। जब संतान उनके जीवन भर के त्याग और ममता को भुलाकर पल भर के आकर्षण को प्यार का नाम देकर विद्रोह कर देती है तो माता-पिता को लगता है कि उनकी पूरी जिंदगी और उनकी परवरिश ही असफल हो गई। यह शर्मिंदगी सिर्फ झूठे अहंकार की नहीं होती, बल्कि यह एक गहरा अपराध बोध होता है कि वे अपने बच्चे को अच्छे संस्कार देने में नाकाम रहे। यह मानसिक प्रताड़ना किसी भी शारीरिक चोट से ज्यादा जानलेवा होती है।भारतीय संस्कृति कभी प्रेम के खिलाफ नहीं रही है। हमारी परंपरा में राधा-कृष्ण और शिव-पार्वती के अलौकिक प्रेम को पूजा जाता है। हमारे समाज में प्रेम का आधार हमेशा त्याग, संयम, जिम्मेदारी और पूरे परिवार को साथ लेकर चलना रहा है। लेकिन आज आधुनिकता, रील संस्कृति और सोशल मीडिया के प्रभाव में जिसे प्रेम कहा जा रहा है, वह ज्यादातर सिर्फ एक क्षणिक शारीरिक आकर्षण और मानसिक अपरिपक्वता का छलावा है। जब कुछ महीनों या सालों में यह आकर्षण खत्म होता है और जीवन की असली चुनौतियाँ तथा आर्थिक तंगी सामने आती है तो ऐसे विवाह अक्सर घरेलू हिंसा, आपसी नफरत, तलाक और वीभत्स अपराधों में बदल जाते हैं। तब उन युवाओं के पास न तो समाज का सहारा बचता है और न ही वे माता-पिता को मुँह दिखाने लायक रहते हैं।इस सामाजिक जटिलता का हल केवल कानून के डंडे या खाप के कड़े बहिष्कारों से नहीं निकल सकता। इसके लिए सभी पक्षों को मिलकर बीच का रास्ता खोजना होगा। माता-पिता को बच्चों पर अपनी मर्जी थोपने के बजाय उनके साथ मित्रवत संवाद स्थापित करना होगा और मार्गदर्शक बनना होगा। युवाओं को भी यह समझना चाहिए कि स्वतंत्रता का अर्थ उच्छृंखलता नहीं है।

क्षण भर के आकर्षण के लिए अपने जन्म देने वाले माता-पिता को समाज के तानों के बीच घुट-घुट कर मरने के लिए छोड़ देना कहीं से भी न्यायसंगत नहीं है। उन्हें भागने के बजाय धैर्यपूर्वक अपने माता-पिता को विश्वास में लेने का परिपक्व प्रयास करना चाहिए। खाप और चौपालों को भी बदलते समय के साथ युवाओं और माता-पिता के बीच बातचीत का पुल बनना चाहिए। सरकारों को 'सेफ हाउस' बनाने के साथ-साथ व्यापक स्तर पर पारिवारिक और सामाजिक काउंसलिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। जब तक हम अपनी जड़ों, अपने भाईचारे और अपने संस्कारों का संरक्षण एक आधुनिक और लचीले दृष्टिकोण के साथ नहीं करेंगे, तब तक यह आधुनिकता खोखली ही रहेगी। हरियाणा ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण भारत की वास्तविक सामाजिक और सांस्कृतिक सुंदरता तभी सुरक्षित रह सकती है जब यहाँ की चौपालों का गौरवशाली भाईचारा, परिवारों की मर्यादाएं और नई पीढ़ी के सपने, सब एक साथ मिलकर सुरक्षित रहेंगी।

ग़ज़ल — सत्यवीर नाहड़िया

साच कहण का टाळा

साच कहण का टाळा होग्या।
लोकलाज का गाळा होग्या।।

काक्का-ताऊ भाई पाच्छै,
सभतै आग्गै साळा होग्या।।

पिछली बरियाँ बाढ़ लूट ग्यी,
इबकै बैरी पाळा होग्या।।

काल्य तलक थी निरमल नदिया,
इब तै गंदा नाळा होग्या।।

सह्या नहीं जा-कह्या नहीं जा,
इसा ज्यान नै फाळा होग्या।।

तेराह ताळी भोत सुणी थी,
पर इब तेराह ताळा होग्या।।

पूत पीटते मात-पिता नै,
कळजुग कितणा काळा होग्या।।

नहीं नज़र म्हैं दया-धरम सै,
इसा आँख्य म्हैं जाळा होग्या।।

बेईमान नहीं वो नेता,
कह 'नाहड़िया' चाळा होग्या।।

कविता — भूपसिंह भारती

करो योग का नेम बावले

निकला जासै टेम बावले।
करो योग का नेम बावले।।

सुबह सबेरै उठ रोजाना,
खेल योग का गेम बावले।

बिना योग हो रोग भतेरे,
फेर करै तू क्लेम बावले।

फाइल फिरैगी दफ्तरां म्ह,
घणा करैगा ब्लेम बावले।

खांसी दमा बिमारी मेंटे,
योग मेट दे म्हेम बावले।

काया दमकै योग करां तै,
रहैगी कुशलछेम बावले।

इब योग दुनिया म्ह छाया,
मिलै योग तै फेम बावले।

कहै 'भारती' योग कराकर,
फेर मिलै हूर सी मेम बावले।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कर्मभूमि — कुरुक्षेत्र की पावन स्थली पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को दिया था श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश

हरियाणा : शौर्य, स्वाभिमान और बलिदान का जीवंत शिलालेख

शौर्य गाथा

अंकुर शर्मा

हरियाणा महज एक राज्य का नाम नहीं है, बल्कि यह शौर्य, स्वाभिमान, त्याग और बलिदान का एक जीवंत शिलालेख है। यह एक कृषि प्रधान प्रदेश होने के साथ-साथ वीरों की जननी और धर्मरक्षकों की कर्मभूमि है। उत्तर-पश्चिम से आने वाले हर विदेशी आक्रांता को दिल्ली पहुंचने से पहले हरियाणा की माटी और यहां के वीरों के फौलादी सीनों से टकराना पड़ा। इस धरती की पहचान उसके खेतों से जितनी है, उतनी ही उसके रणबांकुरों से भी है। यहाँ हल की फाल और तलवार की धार, दोनों को समान आदर के साथ पूजा जाता है। हरियाणा का इतिहास वस्तुतः भारत की रक्षा का इतिहास है और यहां की वीर गाथाएं भारतीय उपमहाद्वीप के स्वाभिमान की धुरी रही हैं।

हरियाणा की शूरवीरता की जड़ें अत्यंत गहरी और पौराणिक हैं, जिसका सूत्रपात महाभारतकालीन कुरुक्षेत्र से होता है। कुरुक्षेत्र का मैदान केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि न्याय, धर्म और कर्म का सबसे बड़ा दार्शनिक केंद्र है। इसी धर्मभूमि पर महाभारत का महासमर लड़ा गया, जहां भीष्म पितामह के व्रत, कर्ण के पराक्रम, अभिमन्यु के अद्वितीय बलिदान तथा अर्जुन के शौर्य ने वीरता की अमिट मिसालें स्थापित कीं। यहीं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया गया, जो अन्याय के विरुद्ध शस्त्र उठाने और फल की इच्छा से मुक्त होकर कर्तव्य-पथ पर डटे रहने का सबसे बड़ा दार्शनिक उपदेश है। मध्यकाल में विदेशी आक्रमणों के विरुद्ध संघर्ष ने हरियाणा की वीरता को नई पहचान दी। इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्धों में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया। रेवाड़ी के वीर सपूत हेमचंद्र विक्रमादित्य (हेमू) इस परंपरा के सबसे तेजस्वी नक्षत्र हैं। एक साधारण परिवार में जन्म लेकर उन्होंने अपने अदम्य साहस से दिल्ली के सिंहासन तक का सफर तय किया और 1556 के द्वितीय पानीपत युद्ध में अंतिम क्षण तक रणभूमि में डटे रहे। इसी तरह हसन ख़ाँ मेवाती जैसे योद्धाओं ने खानवा के युद्ध में राणा साँगा के साथ मिलकर विदेशी सत्ता का सामना किया, जो यह सिद्ध करता है कि यहां की वीरता जाति या संप्रदाय से ऊपर उठकर मातृभूमि को समर्पित रही है। मुगल काल में औरंगजेब की क्रूर नीतियों के खिलाफ तिलपत के गोकुला जाट के नेतृत्व में किसानों का विद्रोह इस बात का प्रमाण है कि यहां का सामान्य कृषक भी समय आने पर अपना हल छोड़कर खड्ग उठाने में संकोच नहीं करता। जब 1857 में भारत ने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ प्रथम स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंका तो उसकी पहली चिंगारी 10 मई को मेरठ से भी कुछ घंटे पूर्व अम्बाला छावनी में सुलग चुकी थी। इस महासंग्राम में हरियाणा के रजवाड़ों और आम जनता ने मिलकर अभूतपूर्व वीरता का प्रदर्शन किया। अहीरवाल क्षेत्र में राव तुलाराम ने अंग्रेजों की विशाल सेना को नाकों चने चबवा दिए। बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह, झज्जर के नवाब अब्दुर रहमान खान और फर्रुखनगर के नवाब अहमद अली गुलाम खान जैसे देशभक्तों ने हंसते-हंसते फाँसी के फंदे चूम लिए, परंतु गुलामी स्वीकार नहीं की। हिसार, हांसी और रोहतक के गांवों में साधारण किसानों ने अपने पारंपरिक हथियारों से तोपों का सामना किया। इस दौरान हजारों गांव जला दिए गए, अनगिनत युवाओं को सरेआम पेड़ों से लटका कर फांसी दे दी गई लेकिन हरियाणा का स्वाभिमान नहीं झुका। आधुनिक सैन्य इतिहास में भी हरियाणा का योगदान अतुलनीय है। प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध से लेकर आजादी के बाद के हर संघर्ष में यहां के सैनिकों ने शहादत दी है।

1962 के भारत-चीन युद्ध में रेजांगला की बर्फीली चोटियों पर मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में 13 कुमाऊं रेजिमेंट की अहीर कंपनी के 114 जवानों ने आखिरी गोली और आखिरी सांस तक लड़कर हजारों चीनी सैनिकों को रोके रखा। 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में भी इस प्रदेश के सैनिकों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया, जिसमें परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह का शौर्य सैन्य इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। यही कारण है कि आज भी भारतीय सशस्त्र बलों में हर दसवां सैनिक इसी माटी का है और सैनिक का सम्मान यहां की सामाजिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है।हरियाणा की वीर गाथाओं को कालजयी बनाने का काम यहाँ की समृद्ध लोक-संस्कृति, साँग परंपरा और हरियाणवी लोकगीतों ने किया है। इन लोकगीतों का दार्शनिक विवेचन स्पष्ट करता है कि इनमें केवल युद्ध का वर्णन नहीं है, बल्कि मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का एक गहरा जीवन-दर्शन छिपा है। इन वीर गाथाओं के साहित्यिक संरक्षण के लिए यह आवश्यक है कि ऐतिहासिक दस्तावेजों और मूल पांडुलिपियों का ही आश्रय लिया जाए। हरियाणा की वीर गाथाएं केवल इतिहास की किताबों में दर्ज अतीत का गौरव नहीं हैं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत हैं। वे यहाँ के लोक-जीवन, खेतों, अखाड़ों और रागिनियों में धड़कती हुई जीवंत परंपराएं हैं। कुरुक्षेत्र के धर्मयुद्ध से लेकर हेमू के स्वाभिमान, हसन ख़ाँ मेवाती के बलिदान, राव तुलाराम के संघर्ष और आधुनिक सेना के रणबांकुरों तक वीरता की यह अखंड परंपरा निरंतर प्रवाहित होती रही है। यह आवश्यक है कि इस गौरवशाली इतिहास को केवल स्मारकों तक सीमित न रखकर साहित्य और जनसंचार माध्यमों के द्वारा नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए। जब भी भारत की वीरभूमियों का स्मरण होगा, अपने रक्त से राष्ट्र की सीमाओं को सुरक्षित रखने वाली हरियाणा की इस वीर-प्रसूता भूमि का नाम सदैव अग्रिम पंक्ति में आदर के साथ लिया जाएगा।

> *इतिहास गवाह है कि दिल्ली के तख्त के भाग्य का फैसला हमेशा हरियाणा के मैदानों, विशेषकर पानीपत और तराईन में हुआ। तराईन के युद्ध में पृथ्वीराज चौहान के नेतृत्व में यहां के योद्धाओं ने अदम्य साहस का परिचय दिया।*

सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है मेहनत : रमेश मूर्ति

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा की दुनिया में कुछ ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और अभिनय के प्रति समर्पण के बल पर एक अलग पहचान बनाई है। उन्हीं कलाकारों में एक नाम है रमेश मूर्ति का। लगभग 26 वर्षों से रंगमंच और अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रमेश मूर्ति ने अपने सशक्त अभिनय से न केवल मंच पर बल्कि हरियाणवी सिनेमा और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी दर्शकों के बीच अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

'अखाड़ा', 'सांगी', 'कांड 2010', 'अग्निवीर' और 'लाइसेंस' जैसी फिल्मों व वेबसीरीज में उनके दमदार अभिनय को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया। उन्होंने 'अखाड़ा' (सीरीज), 'बारहवीं वाला प्यार', 'कांड 2010', 'अग्निवीर', 'सांगी', 'पितरोष', 'ढाई दिन' और 'लाइसेंस' में अपनी लाजवाब अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा मे अपनी अलग पहचान बनाई है। इसके अलावा, आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। रमेश मूर्ति को रंगमंच का शौक स्कूल के समय से ही था। स्कूल में एक स्किट में इन्होंने महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। बचपन में वे स्कूल से छुट्टी करके फ़िल्में और सांग देखने भी जाया करते थे। दसवीं की परीक्षा देने के बाद उन्होंने एक नाटक समूह बनाया और अनेक नाटक किए, जिन्हें परिवार के लोगों ने देखा। कहा जा सकता है कि रमेश मूर्ति की रंगमंच यात्रा उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक और सकारात्मक रही। इस सफ़र ने उन्हें स्वयं को समझने का अवसर दिया और साथ ही दूसरों को भी करीब से जानने का अनुभव मिला। रमेश रंगमंच को ही अपनी दुनिया मानते हैं। वे कहते हैं, 'गांव में सांग देखते समय मेरे मन में हमेशा यह भावना आती थी कि मैं भी एक दिन ऐसा कर सकता हूं।' वहीं से रंगमंच के प्रति उनका लगाव और गहरा होता चला गया। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच ही उसका परिवार और उसकी दुनिया होता है। जब भी हम रंगमंच से जुड़ते हैं, तो हमारे भीतर एक अलग भाव पैदा होता है और दुनिया को देखने का नजरिया बदल जाता है। उन्होंने स्टेज ऐप और सुपवा-दोनों के साथ काम किया है। इस दौरान उन्हें नए-नए लोगों से मिलने और बहुत कुछ नया सीखने का अवसर मिला। हरियाणवी सिनेमा के बारे में उनका मानना है कि वह अभी विकास के शुरुआती दौर में है (कुछ प्रोजेक्ट्स को छोड़कर)। हम जैसे कलाकारों को अभी और अधिक मेहनत करने की जरूरत है, ताकि हरियाणवी सिनेमा विश्व स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बना सके। 'कांड 2010', 'सांगी' और 'अग्निवीर' में रमेश की भूमिकाएं बेहद प्रभावशाली रही हैं। अभिनय की दृष्टि से 'सांगी' फ़िल्म में नानू का किरदार और 'अखाड़ा' में वीरभान का किरदार दर्शकों को विशेष रूप से पसंद आया। अभिनय के लिहाज से ये दोनों किरदार रमेश के दिल के बहुत करीब हैं। रमेश मूर्ति ने बताया कि जब भी उन्हें कोई किरदार मिलता है, तो वह सबसे पहले निर्देशक के साथ बैठकर उस किरदार पर विस्तार से चर्चा करते हैं। इसके बाद अपने विवेक से उस पात्र की उम्र, शारीरिक बनावट, उसके परिवेश, उसकी आदतों, उसके समय और उसकी मानसिक स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं तभी वह पूरी तैयारी के बाद उस किरदार को पर्दे पर जीवंत रूप दे पाते हैं। रमेश मूर्ति ने रंगमंच और बड़े परदे दोनो जगह काम किया है। रंगमंच और कैमरे के सामने अभिनय करने में वे कई अंतर मानते हैं। उनके अनुसार, एक कलाकार के लिए रंगमंच पर प्रस्तुति देना सबसे अधिक आनंददायक होता है, क्योंकि वहां दर्शक सामने मौजूद होते हैं। कलाकार के हर संवाद और अभिनय पर तुरंत दर्शकों की प्रतिक्रिया मिलती है, जिससे उसका उत्साह और आत्मविश्वास बढ़ता है। वहीं, कैमरे के सामने पूरी जिम्मेदारी कलाकार पर होती है। वहां तत्काल दर्शकों की प्रतिक्रिया नहीं मिलती, इसलिए कलाकार को अपने अभिनय पर पूरा भरोसा रखते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ता है। एक कलाकार के रूप में संघर्ष के दिनों ने रमेश को बहुत कुछ सिखाया, जिसे वे आज भी अपने साथ लेकर चलते हैं। उनके शब्दों में-'मुझे रंगमंच करते हुए लगभग 26 वर्ष हो चुके हैं। इस दौरान जीवन में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन मैंने एक ही बात सीखी-मेहनत और लगातार संघर्ष।' वे आगे कहते हैं, 'इस सफ़र में मुझे कई तरह के लोग मिले और जीवन को करीब से समझने का अवसर मिला। रंगमंच ने मुझे सम्मान दिया और लोगों को पहचानने की समझ भी दी।' हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के बारे में पूछने पर रमेश मूर्ति ने बताया कि हरियाणा में रंगमंच से जुड़े कलाकार बहुत अच्छा और रचनात्मक काम कर रहे हैं। नए-नए प्रयोग किए जा रहे हैं। हरियाणवी रंगमंच और सिनेमा में अपार संभावनाएं हैं और आने वाले समय में यह और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। आजकल यथार्थ और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फ़िल्में अधिक बन रही हैं। हरियाणवी सिनेमा में लंबे अंतराल के बाद आई 'दादा लखमी' फ़िल्म एक मील का पत्थर साबित हुई। इस फ़िल्म ने हरियाणवी सिनेमा को नई दिशा दी। इससे हरियाणवी फ़िल्मों के प्रति लोगों का नज़रिया बदला और एक सकारात्मक माहौल बना। उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स में 'मिसिंग' और 'मितवा तोड़-फोड़ कंपनी' शामिल हैं। उन्हें विश्वास है कि ये दोनों फ़िल्में दर्शकों को पसंद आएंगी और दर्शक उन्हें एक नए अंदाज़ में देखेंगे। आज के युवाओं को रमेश यही सलाह है कि वे अधिक से अधिक साहित्य पढ़ें, कविताएँ पढ़ें, नाटक पढ़ें, अच्छी फ़िल्में देखें और रंगमंच से अवश्य जुड़ें। अभिनय सीखने का सबसे अच्छा माध्यम थिएटर है। इसके साथ ही सफलता का सबसे बड़ा मंत्र है-मेहनत, मेहनत और लगातार मेहनत। इनका मानना है कि हर बच्चे और हर युवा को जीवन में कम-से-कम एक बार रंगमंच से अवश्य जुड़ना चाहिए।

> एक अभिनेता के रूप में रमेश का मानना है कि किसी वास्तविक और समाज से जुड़े किरदार को रंगमंच या सिनेमा के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रस्तुत करना एक कलाकार के लिए सबसे सुखद अनुभव होता है। ऐसी फ़िल्में केवल मनोरंजन ही नहीं करतीं, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश भी देती हैं। इसलिए उन्हें इस तरह की फ़िल्मों का हिस्सा बनना हमेशा अच्छा लगता है।

खबर संक्षेप

श्योराण चौक में शिविर में 60 यूनिट रक्त एकत्र

गोहाना। रविवार को महम मार्ग बाइपास स्थित श्योराण चौक में आयोजित रक्तदान शिविर में 60 रक्त यूनिट एकत्र किया गया। श्री श्याम प्रॉपर्टी एडवाइजर के सौजन्य से आयोजित इस शिविर में नागरिकों को समाजहित में साल में कम से कम एक बार रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया। रक्त संकलन के लिए भगत फूल सिंह राजकीय महिला महाविद्यालय, खानपुर कलां की टीम पहुंची थी।

जैन गर्ल्स कॉलेज में रक्तदान शिविर आज

गन्नौर। जैन गर्ल्स पीजी कालेज में सोमवार को कालेज आडिटोरियम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। विधायक देवेंद्र कादियान, एसडीएम प्रवेश कादियान और जैन एजुकेशनल सोसायटी के चेयरमैन आनंद जैन मुख्य रूप से मौजूद रहेंगे। प्राचार्य डा. मनोज कुमार ने बताया कि शिविर में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग रहेगा। अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर रक्तदान और जरूरतमंद की मदद करने की अपील की।

गोहाना। लखीशाह बंजारे के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नागरिक।

लखीशाह बंजारे को 346वीं पुण्यतिथि पर किया नमन

गोहाना। रविवार को गोहाना के नगर गांव की बंजारा बस्ती में लखी शाह बंजारे की 346वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने लखीशाह बंजारे को याद करते श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा लखीशाह बंजारा 17वीं शताब्दी के सबसे बड़े व्यापारी, ट्रांसपोर्टर, परोपकारी और भारत के राष्ट्रभक्त योद्धा थे। उनके काफिले में लाखों बैल और हजारों माल वाहक बैलगाडियां थी जिसे वे भारत सहित पूरे एशिया में सामान पहुंचाते थे। हर भगवान चोपड़ा, सुकरात दास बंजारा मौजूद रहे।

जलभराव से ग्रामीणों का घरों से निकलना मुश्किल, मच्छरों की संख्या बढ़ने से संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा

गांव गुमड़ में नालियां जाम गलियों में भरा दूषित पानी

ग्रामीणों ने दी प्रदर्शन की चेतावनी, कई बार प्रशासन से लगा चुके गुहार

गन्नौर। गलियों में दूषित पानी भरने से नाराज ग्रामीण रोष प्रकट करते तथा सोनीपत में विरोध प्रदर्शन करते पार्षद पति साथ में स्थानीय लोग। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गांव गुमड़ में नालियों की नियमित सफाई नहीं होने से गलियों में दूषित पानी भर गया है। जलभराव के कारण ग्रामीणों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। गंदे पानी से दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों की संख्या बढ़ने से संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से नालियां जाम पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी गलियों में जमा हो रहा है। ग्रामीण कर्मबीर, कृष्ण, नरेश, अशोक और सोनू ने बताया कि जलभराव के कारण राहगीरों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। कई स्थानों पर लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। किसान नेता वीरेंद्र पहल ने बताया कि समस्या को लेकर कई बार प्रशासन को लिखित और मौखिक शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधि गांव की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द नालियों की सफाई कर जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो ग्रामीण प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ग्रामीणों ने गांव में तुरंत नालियों की सफाई और स्थायी जलनिकासी व्यवस्था कराने की मांग की है।

सीवर ओवरफ्लो के विरोध में पॉलीथिन और टेप लपेटकर किया प्रदर्शन

सोनीपत। वार्ड नंबर-21 के मयूर विहार, गढ़ी ब्राह्मण और सरस्वती विहार में सीवर लाइन ओवरफ्लो होने से गलियों में गंदा पानी भर गया है। इससे नाराज जिला पार्षद एवं नगर निगम पार्षद पति संजय बड़वासनिया ने रविवार को मयूर विहार की गली नंबर-24 में अपने शरीर को पॉलिथीन और टेप से लपेटकर गंदे पानी से पैदल गुजरते हुए विरोध प्रदर्शन किया। संजय बड़वासनिया ने कहा कि सीवर लाइन की समय पर सफाई नहीं होने और नालों की निकासी बाधित होने से लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। बदबू के कारण बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत के बावजूद नगर निगम ने केवल आश्वासन दिया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं किया। ठेकेदार केवल फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं और जमीन पर काम नहीं हो रहा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द पानी निकासी की व्यवस्था नहीं हुई तो कॉलोनीवासी नगर निगम कार्यालय का घेराव करेंगे। इस दौरान जोगिंदर, राजवीर, सतीश, विकास, कुलदीप, अनूप दहिया, मोहित दहिया, अमित दहिया, चिंटू, राजेश, रामदिया, रामफल, जगविंदर, राज नारायण और रामपाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

■ गंदे पानी से पैदल गुजरकर नगर निगम पर लापरवाही का लगाया आरोप

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अधिवेशन में नई कार्यकारिणी का गठन

सोनीपत। भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ, सोनीपत मंडल और भारतीय पोस्टल एम्प्लॉइज एसोसिएशन (पोस्टमैन एवं एमटीएस) का संयुक्त मंडलीय अधिवेशन रविवार को सोनीपत में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कुलदीप धीमान मुख्य अतिथि और डाक अधीक्षक कृष्ण राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अधिवेशन के दौरान भारतीय पोस्टल एम्प्लॉइज एसोसिएशन (पोस्टमैन एवं एमटीएस) की नई मंडलीय कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें संदीप धीमान को सर्वसम्मति से मंडलीय सचिव चुना गया। वहीं भारतीय ग्रामीण डाक कर्मचारी संघ, सोनीपत मंडल की ओर से अमन नरवाल को दोबारा मंडलीय सचिव निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कर्मचारियों के हितों की रक्षा, संगठन को मजबूत बनाने और डाक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। अधिवेशन में पवन (मंडलीय सचिव पी-3), जयपाल, जयबीर, सचिन, संदीप और शोभित सहित बड़ी संख्या में डाक कर्मचारी और ग्रामीण डाक कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन संगठन की एकजुटता और कर्मचारी हितों के लिए लगातार कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

निजी खाद विक्रेताओं ने की सरकार से वितरण नीति पर पुनर्विचार की मांग

■ मुरथल में बैठक, किसानों की सुविधा और व्यापार बचाने की उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

मुरथल स्थित एक निजी होटल में रविवार को हरियाणा सीड्स, फर्टिलाइजर एवं पेस्टीसाइड एसोसिएशन की बैठक हुई। इसमें प्रदेशभर से आए निजी खाद विक्रेताओं ने सरकार से यूरिया और डीएपी वितरण नीति पर पुनर्विचार करने की मांग की।

प्रतिनिधियों ने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से 60 प्रतिशत खाद वितरण के निर्णय से निजी खाद विक्रेताओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि निजी डीलर वर्षों से किसानों को खाद, बीज और कीटनाशक उपलब्ध कराने के साथ जरूरत पड़ने पर उधार भी देते रहे हैं। बैठक में सरकार से किसानों को अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी माध्यम से खाद खरीदने का विकल्प देने की मांग की गई।

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

ये रहे मौजूद

बैठक में संजय सिंगला (सोनीपत), अमित गोयल (करनाल), अक्षय जैन (सफीदों), महेंद्र जैन (पानीपत), संजय गर्ग (यमुनानगर), संदीप लोहान (अलेवा), राजकुमार (गोहाना), अमित (गोहाना), रवि गर्ग (दादरी), संदीप (नरवाना), सुनील खत्री (सोनीपत), सुरेंद्र (गोहाना), बबलू चेयरमेन (जींद), सुरेन्द्र (उचाना), मुकेश गोयल (रोहतक), प्रमोद बंसल (झज्जर), सतीश गुप्ता बिन्नी (सोनीपत), तरुण खत्री (सोनीपत), संजीव (जींद), संजय बंसल (कैथल), बलबीर बैंसी, जितेंद्र मान मुंडाल और पदम सिंगला (नारनौंद) सहित अनेक प्रतिनिधि मौजूद रहे।

गोहाना। बैठक में विचार विमर्श करते पार्टी नेता और कार्यकर्ता।

मतदाता सूची का त्रुटिरहित होना आवश्यक : अशोक

गोहाना। प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष शुद्धिकरण अभियान के मद्देनजर जननायक जनता पार्टी (जजपा) कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक समीक्षा बैठक सेक्टर-7 स्थित परशुराम आश्रम में आयोजित की गई। बैठक की संयुक्त अध्यक्षता गोहाना के हलका अध्यक्ष राजा सहरावत और बरोदा के हलका अध्यक्ष शीलू खासा ने की। मुख्य अतिथि जजपा के सोनीपत जिला अध्यक्ष अशोक सरोहा ने कहा कि बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची कार्य की समीक्षा करना तथा विरोधी ताकतों द्वारा की जाने वाली वोट चोरी और फर्जीवाड़े को पूरी तरह से रोकना रहा। अशोक सरोहा ने कहा कि किसी भी मजबूत लोकतंत्र की नींव एक साफ-सुथरी और पारदर्शी मतदाता सूची होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना चाहिए और किसी भी वैध मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए।

वर्षों से अधूरे कार्यों को पूरा करवाना हमारी प्राथमिकता: पवन खरखौदा

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

विधायक पवन खरखौदा ने कहा कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की अनियमितता को बर्दाश्त नहीं की जाएगा। वे रोहतक मार्ग स्थित अपने निजी कार्यालय में जन समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान गोपालपुर के ग्रामवासियों ने गांव के मेन बस स्टैंड से लेकर शंकर वाला तालाब तक दोनो तरफ आरसीसी का नाला बनवाने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि राजान पाने के दोनों तरफ जो नाला बनाया गया था। वह अब खंडहर हो चुका है जिससे पानी निकासी की समस्या उत्पन्न हो रही है। हरसाना के कृष्ण ने श्मशान घाट की चारदीवारी करवाने की मांग की। इसके अलावा फैमिली आईडी से संबंधित व अन्य कई समस्याएं विधायक के दरबार में पहुंची। जिनके समाधान के लिए मौके पर ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकार का एक ही लक्ष्य है कि जो विकास कार्य वर्षों से लंबित हैं, उन्हें यथाशीघ्र पूरा किया जाए।

■ विकास कार्यों में किसी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं

खरखौदा। लोगों की शिकायत सुनते विधायक पवन खरखौदा। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण।

समाज सेवा समिति ने सदस्यता अभियान प्रारंभ किया, 45 प्रतिनिधि नियुक्त

सोनीपत। समाज सेवा समिति की सदस्य प्रतिनिधि एवं कार्यकारिणी सभा का आयोजन रविवार को कबीरपुर स्थित सेवा सदन शाखा कार्यालय में हुआ। बैठक की अध्यक्षता समिति के मुख्य सरपरस्त पवन गोयल ने की, जबकि मंच संचालन वरिष्ठ महासचिव आर.के. सेतिया ने किया। समिति के संयोजक शशि चरण नासा ने बताया कि वर्ष 2026-27 के सदस्यता अभियान के लिए 45 प्रतिनिधि नियुक्त किए गए हैं। ये प्रतिनिधि 200 रुपये वार्षिक सदस्यता शुल्क लेकर नए सदस्यों को समिति से जोड़ेंगे। समिति के कोषाध्यक्ष सतीश अरोड़ा ने सभी प्रतिनिधियों को सदस्यता अभियान के लिए कॉपियां वितरित कीं। कहा कि अगली बैठक 19 जुलाई को होगी और तब तक एक हजार नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि समिति की सेवा गतिविधियों का विस्तार किया जा सके। सरपरस्त पवन गोयल, स्थायी सदस्य रमेश चंद हसीजा, प्रधान परवीन वर्मा और सदस्य रतनेश बत्रा ने बताया कि समिति द्वारा संचालित सिलाई केंद्र, डिस्पेंसरी, योग कक्षाएं और रिश्ते-नाते सेवा केंद्र नियमित रूप से चल रहे हैं।

योजना

मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में समाजसेवी और नागरिक करेंगे श्रमदान

जनभागीदारी से ही अभियान जन आंदोलन बनेगा: जैन

स्वच्छ प्रहरी अभियान का शुभारंभ हर रविवार चलेगा सफाई अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर सोनीपत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से नगर निगम के मेयर राजीव जैन के नेतृत्व में रविवार को स्वच्छ प्रहरी अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के तहत समाजसेवियों, युवाओं और जागरूक नागरिकों की टीम गठित की गई है, जो प्रत्येक रविवार सुबह 6:30 से 8:30 बजे तक नगर निगम के सहयोग से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाएगी। अभियान का शुभारंभ सेक्टर-15 स्थित टेलीफोन एक्सचेंज से बिहारी मार्केट तक विशेष सफाई अभियान चलाकर किया गया। इस दौरान सड़क किनारे फैली गंदगी, कूड़ा-कचरा, झाड़ियों और बरसाती लाइन की जालियों की सफाई की गई। इससे पहले हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के बाहर नवनिर्मित पार्क से भी कूड़ा हटाया गया। मेयर राजीव जैन ने कहा कि स्वच्छता पूरे समाज की जिम्मेदारी है और जनभागीदारी से ही यह अभियान जन आंदोलन बनेगा।

■ स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर सोनीपत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना उद्देश्य

सोनीपत। अभियान के तहत सफाई करते मेयर राजीव जैन। फोटो : हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर पार्षद त्रिभुवन कौशिक, मास्टर दिलबाग सिंह, रविकांत कौशिक, सब इंस्पेक्टर जगत सिंह, सुरेश वत्स, पहलवान हवा सिंह आंतिल, मास्टर संजय कुमार, संदीप सैनी, नरेंद्र जोगी, पवन प्रजापति देवडु, भारत ढुआ, आनंद कुमार, नरेश राठौर, संदीप बत्रा, मेधावी रंजन, मुकेश शर्मा, विजय, नगर निगम के अधिकारी, समाजसेवी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

श्री राम परिवार ने कराया सुंदरकांड पाठ- रामकथा

सोनीपत। श्री राम परिवार, सोनीपत की ओर से सेक्टर-14 स्थित कम्युनिटी सेंटर में श्री सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मिलन जुनेजा के सहयोग से हुआ। ओपी अरोड़ा ने श्री रामचरितमानस के सुंदरकांड में वर्णित हनुमान और विभीषण के संवाद का विस्तार से वर्णन करते कहा कि यह प्रसंग भक्ति, समर्पण व शरणागति का अद्भुत संदेश देता है।

न्यूज डायरी

सोनीपत। मरीजों की जांच करते डॉ. राजेंद्र सिंह टोंक। फोटो : हरिभूमि

पूर्व राज्यपाल की स्मृति में लगा फ्री स्वास्थ्य मेला

सोनीपत। गांव बैय्यापुर स्थित चौपाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को सिक्किम के पूर्व राज्यपाल स्व. चौधरी रणधीर सिंह की स्मृति में निःशुल्क स्वास्थ्य मेला और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस आयोजन का नेतृत्व चौपाल संस्था के चेयरपर्सन और समाजसेवी डॉ. राजेंद्र सिंह टोंक ने किया। स्वास्थ्य मेले में डॉ. टोंक के साथ 14 विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। इसमें आंख, नाक-कान-गला, बच्चों, हड्डी, हृदय, सामान्य रोग, दंत, त्वचा और स्त्री रोग विशेषज्ञ शामिल रहे। साथ ही खून की जांच, ईसीजी और अन्य जांचें भी निःशुल्क की गईं। डॉ. राजेंद्र सिंह टोंक ने लोगों को कन्या भ्रूण हत्या रोकने, महिला सुरक्षा और सम्मान, सड़क सुरक्षा, युवाओं को नशे से दूर रखने, पर्यावरण संरक्षण और समाज में भाईचारा बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने खाद्य पदार्थों में मिलावट, फसलों में कीटनाशक दवाइयों के अधिक प्रयोग और प्लास्टिक की बोतलों में गर्म पेय पदार्थ इस्तेमाल करने से होने वाले नुकसान के बारे में भी जागरूक किया।

सोनीपत। शिविर में मरीजों की जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

218 का स्वास्थ्य जांचा, 18 लोगों ने किया रक्तदान

सोनीपत। खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम, मोहन नगर में रविवार को सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन (जिला, महिला एवं युवा इकाई), श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भंडार, श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट और सोनीपत धाम के संयुक्त तत्वावधान में 41वां मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 218 मरीजों की स्वास्थ्य जांच की गई, जबकि 18 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। संस्था के प्रधान संजय सिंगला, चेयरमैन वाई.के. त्यागी, युवा प्रधान सी.ए. अनुज मंगला, सम्मेलन के प्रधान अनिल गुप्ता और महासचिव एडवोकेट अरविन्द मित्तल ने बताया कि यह शिविर हर महीने के पहले रविवार को लगाया जाता है। डॉक्टर अभिमन्यु सिंह के निर्देशन में डॉ. प्रवेश मुदगिल, डॉक्टर विनय, डॉ. वरुण शर्मा, डॉ. इरफान, संदीप राणा, अनिपाल लकड़ा, डॉ. एसएन गुप्ता, राजेश गुप्ता, डॉ. जेएस पुनिया, राजेश सिंगल और डॉक्टर अल्पना सिंगल ने सेवाएं दीं।

सोनीपत। वस्त्र वितरण करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जरूरतमंदों को वितरित किए वस्त्र व घरेलू सामान

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन ने रविवार को खाटूश्याम मंदिर परिसर में जरूरतमंद परिवारों को नए तथा उपयोग योग्य पुराने वस्त्र और घरेलू सामान वितरित किए। संस्था के चेयरमैन वाईके त्यागी और प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि फाउंडेशन कई वर्षों से समाजसेवियों और आम नागरिकों से उपयोग योग्य कपड़े व घरेलू सामान एकत्र कर झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक सहायता उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान अनेक परिवारों को कपड़े और दैनिक उपयोग का सामान वितरित कर राहत पहुंचाई गई। इस अवसर पर सतीश माथुर, बलराज वशिष्ठ, अनिल गुप्ता, अविनाश सेठी, सत्यवान सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे। संस्था ने लोगों से अपील की कि वे अपने पुराने लेकिन उपयोग योग्य कपड़े और घरेलू सामान फाउंडेशन को उपलब्ध कराएं, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों की सहायता की जा सके।

सोनीपत। पौधरोपण करते हुए फाउंडेशन के पदाधिकारी एवं सदस्यगण। फोटो : हरिभूमि

शहीद भगत सिंह पार्क में किया पौधरोपण

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन की ओर से रविवार को शहीद भगत सिंह पार्क में पौधरोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत फलदार और छायादार 10 पौधे लगाए गए। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके पेड़ बनने तक नियमित देखभाल करना भी सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, कर्मवीर हुड्डा, रोहताश सांगवान, पूर्ण दहिया, विकास, अर्जुन और आयशा हुड्डा सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सभी ने भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाने का संकल्प लिया।

सोनीपत। बच्ची को परिवार से मिलाने पहुंचें पुलिस कर्मी।

पांच वर्षीय बच्ची को पुलिस ने परिजनों से मिलाया

सोनीपत। शहर के एक पेट्रोल पंप के सामने रविवार को उस समय भावुक कर देने वाला घटनाक्रम सामने आया, जब करीब पांच वर्षीय एक बच्ची लावारिस हालत में इधर-उधर घूमती हुई मिली। बच्ची को अकेले भटकता देख राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना देरी किए मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी सुरक्षा में लेकर उससे और आसपास मौजूद लोगों से जानकारी जुटानी शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। साथ ही क्षेत्र में लगातार जानकारी जुटाकर बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की। काफी प्रयासों के बाद पुलिस को बच्ची के परिवार का पता चल गया। पहचान की पुष्टि करने के बाद बच्ची को सुरक्षित उसके सैनीपुरा निवासी परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। काफी देर की चिंता और बेचैनी के बाद जब परिजनों ने अपनी बच्ची को सकुशल देखा तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

सुबह के समय उमस भरी रही गर्मी, दोपहर मौसम ने ली करवट, कई क्षेत्रों में आधे घंटे तक बूंदाबांदी

थोड़ी-सी बारिश में जलमग्न हुईं सड़कें, निकासी के दावे फेल

मौसम विशेषज्ञ बोले-बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव क्षेत्र विकसित होने से 10 तक झमाझम बारिश की संभावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

जिले में 2 जुलाई को मानसून के आगमन के बाद रविवार को पुनः अधिकतर क्षेत्रों में करीब आधा घंटा हुई झमाझम बारिश ने लोगों को राहत दिलाई। वहीं कई जगह सड़कों व कई कॉलोनियों की गलियां बारिश के पानी से जलमग्न हो गई। शहर में जगह-जगह हुए जलभराव ने एक बार फिर नगर निगम के निकासी व्यवस्था के दावों की पोल खोल दी। थोड़ी-सी बारिश से ही अधिकारियों के दावे फेल नजर आए।

हालांकि जिले का खरखौदा क्षेत्र बारिश से अछूता रहा। फिर रात तक आसमान में बादल छाए रहने से बारिश के आसार बने रहे। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव क्षेत्र विकसित हुआ है। जिसके चलते 10 जुलाई तक सोनीपत सहित आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश होने की संभावना बनी रहेगी। साथ ही तेज हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आने से लोगों को गर्मी से निजात मिलेगी। अब तक दक्षिणी हरियाणा व राजस्थान में चक्रवातीय सर्कुलेशन बना हुआ था। जिसके चलते सोनीपत सहित आसपास के क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां धीमी रही। जिलावासियों को रविवार सुबह एक बार धूप निकलने के बाद गर्मी व उमस का सामना करना पड़ा। दिन का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह करीब 9 बजे के आसपास हवाओं की गति धीमी होने, धूप खिलने से लोगों को भीषण गर्मी का अहसास हुआ। लोगों को करीब दोपहर 12 बजे तक उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ा। देखते ही देखते दोपहर 12:15 बजे अचानक मौसम में परिवर्तन होने से आसमान में काली घटाएं छाने के साथ कई क्षेत्रों में अचानक झमाझम बारिश ने लोगों को गर्मी से निजात दिलाई। उधर मानसून एक बार दोबारा एक्टिव होता नजर आया, लेकिन बादल छाए रहने के बावजूद बारिश होने की संभावना बनी रही। वहीं दोपहर को बारिश के बाद जहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई, वहीं देर शाम तक हवाएं चलने से मौसम सुहावना बना रहा। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो सोनीपत सहित दिल्ली-एनसीआर के कई क्षेत्रों में भले ही मानसून का आगाज धीमा रहा, लेकिन जल्द ही मानसून एक्टिव होने से करीब 5 दिन तक तेज बारिश होने की संभावना बनी रहेगी।

सोनीपत। ओल्ड डीसी रोड पर बारिश के दौरान गुजरते वाहन चालक।

सोनीपत। आठ मरला चौक पर बारिश के बाद जलभराव से निकलते स्कूटी सवार। *फोटो: हरिभूमि*

बारिश से रफ्तार पकड़ेगी धान रोपाई प्रक्रिया

बता दें कि इस बार जिले में करीब 90 हजार हैक्टेयर भूमि पर धान रोपाई का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन अब तक मात्र 48 प्रतिशत क्षेत्र में धान रोपाई की प्रक्रिया पूरी हो सकती है। धान लगाने के लिए किसानों को अब तक खेतों की सिंचाई पर निर्भर होना पड़ा है। रविवार को हुई बारिश से किसानों को खेतों की सिंचाई में मदद मिलने के साथ आर्थिक लाभ भी मिलेगा। अब तक किसानों के समक्ष कमजोर साबित हुए प्री-मानसून, मानसून की धीमी दस्तक के बाद उनकी आस तेज बारिश पर टिकी है। दोबारा एक्टिव हुए मानसून, देर शाम तक छाए रहे बादलों ने किसानों के मन में

आस जगाने का काम किया है। अगर जल्द और बारिश होती है, तो धान रोपाई प्रक्रिया रफ्तार पकड़ सकेगी। साथ ही हरे चारे की फसलों को भी लाभ मिलेगा।

बारिश के बाद शहर का हाल, वाहन चालक रहे परेशान

सोनीपत। अग्रसेन चौक पर जलभराव से गुजरते वाहन चालक। *फोटो: हरिभूमि*

सोनीपत। जीवन विहार में बारिश के बाद घरों के आगे जलभराव की स्थिति। *फोटो: हरिभूमि*

कई दिन तक मानसून के एक्टिव रहने की संभावना

बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव क्षेत्र विकसित होने मानसून की गतिविधियां बढ़ने के आसार बने हुए हैं। ऐसे में 10 जुलाई तक तेज बारिश होने के साथ तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकेगी। कई दिन तक मानसून के एक्टिव रहने की संभावना है। इसी के चलते रविवार दोपहर सोनीपत सहित एनसीआर क्षेत्रों में बारिश हुई। इससे पहले दक्षिणी हरियाणा व राजस्थान में चक्रवातीय सर्कुलेशन बनने के कारण सोनीपत सहित कई क्षेत्रों में मानसून गतिविधियां धीमी रही।

– प्रो. चंद्रमोहन, मौसम विशेषज्ञ।

अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग स्पर्धा में जमकर बरसे मुक्के

गोहाना। विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों के साथ कोच एवं अतिथि। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

- जय बालाजी स्पोर्ट्स अकादमी में अंतरराष्ट्रीय प्रोफेशनल बॉक्सिंग फाइट नाइट का आयोजन

जींद रोड स्थित जय बालाजी स्पोर्ट्स अकादमी में शनिवार देर रात आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेशनल बाक्सिंग फाइट नाइट का आयोजन किया गया। नेशनल बाक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए) के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में कुल नौ बाउट हुईं। अंतरराष्ट्रीय प्रोफेशनल बाक्सिंग फाइट नाइट में भारत और अमेरिका के बाक्सरों के बीच मुकाबले हुए।

मुख्य मुकाबला अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय बाक्सर जेम्स हार्ले और भारत के अरुण वर्मा के बीच 10 राउंड का था। पांचवें राउंड के दौरान दोनों बाक्सर चोटिल हो गए। अधिक चोट लगने के कारण मुकाबला बीच में ही रोकना पड़ा और निर्णायकों ने अंकों के आधार पर फैसला सुनाया। इसमें अमेरिका के जेम्स हार्ले विजेता घोषित किए गए। प्रतियोगिता में जय बालाजी अकेडमी के बाक्सर अनित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले ही राउंड में सुमित मलिक को नाकआउट कर जीत दर्ज की। निशांत शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता में मार्गदर्शन अकादमी के अध्यक्ष अनिल मोर का रहा। शर्मा ने बताया कि फाइट नाइट के दौरान सभी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे और भारत-अमेरिका के बाक्सरों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। खिलाडियों को एपनबीए एडवाइजर डेविड, अकादमी संचालक जितेंद्र हुड्डा, गांव खंदराई के सरपंच प्रतिनिधि अमित सहरावत, किसान नेता अशोक लठवाल, समाजसेवी नरेश सैनी, भाजपा नेता मुकेश रोहिल्ला, इनेलो नेता विनेश लाकड़ा और फौजी नवीन नेहरा ने अपना आशीर्वाद दिया।

पॉलिटेक्निक में दाखिले के लिए विद्यार्थी सात जुलाई तक कर सकते हैं आवेदन

सोनीपत। राजकीय बहुतकनीकी संस्थान (पॉलिटेक्निक) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के विभिन्न डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा सोसाइटी की ऑनलाइन काउंसिलिंग के उपरांत रिक्त बची सीटों पर प्रवेश के लिए आवेदन करने का अंतिम अवसर शेष है। इच्छुक विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 7 जुलाई निर्धारित की गई है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में सीटों की संख्या सीमित है। प्राचार्य प्रवेश सांगवान ने बताया कि रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर मेरिट सूची 8 जुलाई को संस्थान के नोटिस बोर्ड, संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। इसके उपरांत 9 जुलाई को प्रचलित आरक्षण रोस्टर के अनुसार प्रथम मैनुअल काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। यदि प्रथम मैनुअल काउंसिलिंग के बाद भी सीटें रिक्त रहती हैं, तो प्रचलित नियमों के अनुसार आरक्षित वर्ग की रिक्त सीटों का सामान्य वर्ग में विलय करते हुए 10 जुलाई को द्वितीय मैनुअल काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। प्राचार्य ने बताया कि संस्थान में सभी प्रवेश पूर्णत: मेरिट के आधार पर किए जाएंगे। विद्यार्थियों की मेरिट का निर्धारण 10वीं कक्षा (मैट्रिक) की पात्रता परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर किया जाएगा। पर्यावरण अभियांत्रिकी के अतिरिक्त संस्थान में ऑटोमोबाइल अभियांत्रिकी, मैकेनिकल अभियांत्रिकी, इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, केमिकल अभियांत्रिकी तथा फाइनेंस, अकाउंट्स एंड ऑडिटिंग जैसे रोजगारोन्मुखी डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

पर्यावरण अभियांत्रिकी में डिप्लोमा पाठ्यक्रम इसी सत्र से शुरू

टी-20 प्रदर्शन के आधार पर बीसीसीआई टी-20 टूर्नामेंट में इस साल किया जाना है चयन

दुभेटा गांव की अदिति श्योराण का यूटीसीए टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

अदिति श्योराण।

दुभेटा गांव की उभरती क्रिकेटर अदिति श्योराण ने यूटी क्रिकेट एसोसिएशन(यूटीसीए) चंडीगढ़ की ओर से 25 जून से 3 जुलाई तक अंडर-19 वुमेन टी-20 टूर्नामेंट का प्लाजा जोन की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टूर्नामेंट के सभी मैचों में जीत हासिल की है। टूर्नामेंट में आलराउंडर के तौर पर शानदार प्रदर्शन किया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-8 स्थित डीएवी स्कूल क्रिकेट ग्राउंड और सेक्टर-16 स्थित क्रिकेट ग्राउंड में हुई। इस टूर्नामेंट में प्लाजा जोन की आलराउंडर अदिति श्योराण ने शानदार प्रदर्शन कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने चार मैचों में बल्लेबाजी कर 98 रनों के साथ छह महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किए हैं। कार्मल कान्वेंट स्कूल की छात्रा अदिति ने अपनी टीम की तरफ से सबसे अधिक विकेट लिए और बल्लेबाजी स्कोर में दूसरे नंबर पर रही हैं। आलराउंडर प्रदर्शन के दम पर अदिति को टूर्नामेंट को दो मैचों में प्लेयर आफ द मैच से भी नवाजा गया। एक मैच में अदिति ने दो ओवर में सिर्फ 11 रन देकर तीन विकेट हासिल किए, तो अंतिम मैच में ओपनर आयू बंसल के साथ मिलकर 106 रनों की अविजित पारी खेल मैच को एकतरफ बना दिया। पूरे टूर्नामेंट में ओपनर बल्लेबाज के तौर पर यह सबसे बड़ी साझेदारी रही है। इस टूर्नामेंट के प्रदर्शन के आधार पर ही यूटीसीए की ओर से इस साल बीसीसीआइ की ओर से आयोजित होने वाले अंडर-19 टी-20 टूर्नामेंट के लिए महिला खिलाड़ियों का चयन किया जाना है। यूटीसीए की ओर से अगस्त-सितंबर में होने वाले पहले वुमेन प्रीमियर लीग(डब्ल्यूपीएल) के लिए भी टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को चुना जाना है। गोहाना स्थित हरियाणा रोडवेज विभाग से रिटायर्ड अदिति के दादा चौधरी रघुवीर सिंह श्योराण ने कहा कि पोती पिछले कुछ समय से काफी मेहनत कर रही है और टूर्नामेंट में इस बार उसने अच्छा प्रदर्शन किया है।

पूर्व पालिका पार्षद प्रेम सिंह व पत्नी सुनीता ने लिया देहदान का संकल्प

खरखौदा। मानव सेवा को समर्पित नगरपालिका खरखौदा के पूर्व पार्षद प्रेम सिंह जांगड़ा एवं उनकी पत्नी सुनीता ने अपने संपूर्ण शरीर (देहदान) का संकल्प लिया है। दोनों ने विधिवत अंगदान-दाता कार्ड भरकर मृत्यु उपरांत चिकित्सकीय शिक्षा एवं जरूरतमंद मरीजों के हित में अपने शरीर के उपयोग की सहमति दी है। प्रेम सिंह जांगड़ा ने बताया कि उनका उद्देश्य मृत्यु के बाद भी मानव सेवा करना है। यदि उनके अंग अथवा शरीर से किसी जरूरतमंद को नया जीवन मिल सके या मेडिकल शिक्षा एवं शोध कार्य में सहयोग मिल सके, तो इससे बड़ा पुण्य कार्य कोई नहीं हो सकता।

प्रेम जांगड़ा व पत्नी सुनीता

कैंटीन का सपना अधूरा, हादसे में बुझ गया शेखपुरा के उमंग का जीवन

गन्नौर। गुरुग्राम के सेक्टर-93 चौकी क्षेत्र में बामडोली रेड लाइट के पास रविवार अलसुबह हुए सड़क हादसे में शेखपुरा गांव निवासी 25 वर्षीय उमंग बेनीवाल की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब उमंग अपने ममेरे भाई राहुल गिल और तीन दोस्तों के साथ कार से चाय पीने जा रहा था। यू-टर्न लेते समय पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उमंग और राहुल गिल की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक घायल हो गए। उमंग अपने पिता सुरेंद्र बेनीवाल का इकलौता पुत्र था। उसकी बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। वह एमए अंतिम वर्ष का छात्र था और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था।

उमंग बेनिवाल।

सेक्टर-7 स्थित सामुदायिक भवन में भाजयुमो का छात्र सम्मेलन

डॉ. श्यामा प्रसाद के विचार युवाओं के लिए मजबूत प्रेरणा

गोहाना। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती एवं स्मरण पखवाड़ा के अंतर्गत रविवार को सेक्टर-7 स्थित सामुदायिक भवन में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा छात्र सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राष्ट्र के प्रति समर्पण, अखंड भारत का संकल्प और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। देश की युवा शक्ति को डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्रहित में अपना योगदान देने की जरूरत है। कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, गोहाना जिला अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, भाजपा युवा मोर्चा गोहाना जिला अध्यक्ष सहित युवा मोर्चा के अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

चालक-परिचालकों को क्लर्कों की तर्ज पर इंक्रीमेंट मिले

गोहाना। ऑल हरियाणा परिवहन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष व साझा मोर्चा के वरिष्ठ कर्मचारी नेता अशोक खोखर ने कहा कि क्लर्कों की तर्ज पर हरियाणा रोडवेज के चालक-परिचालकों को भी स्पेशल इंक्रीमेंट का लाभ दिया जाए। प्रदेश अध्यक्ष खोखर ने प्रदेश सरकार द्वारा क्लर्कों को वेतन के साथ तीन इंक्रीमेंट देने के फैसले का स्वागत किया। अशोक खोखर ने कहा कि प्रदेश सरकार ने क्लर्कों को वेतन के साथ तीन स्पेशल इंक्रीमेंट देने का निर्णय स्वागत के योग्य है। रोडवेज कर्मचारी यूनियन सरकार के इस निर्णय का स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा रोडवेज में परिचालक का वेतन क्लर्कों के समान 19 हजार 900 रुपये था। अब कुछ समय पहले उनका वेतनमान 21 हजार 700 रुपये कर दिया गया था। अब प्रदेश सरकार ने क्लर्कों को वेतन के साथ तीन इंक्रीमेंट देने का फैसला किया है जो स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि रोडवेज परिचालक आज वेतनमान में सबसे पीछे है।

अशोक खोखर।

रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने क्लर्कों को वेतन के साथ तीन इंक्रीमेंट देने का किया स्वागत

सीनियर राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप का समापन, रोहतक व सोनीपत बने विजेता

सोनीपत। विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई में दो दिन तक चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी राई में आयोजित सीनियर राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) सत्र 2026-27 का रविवार को उत्साहपूर्ण समापन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार खेल भावना और बेहतरीन प्रदर्शन का परिचय दिया। नेटबॉल एसोसिएशन हरियाणा की महासचिव बबीता दहिया ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेशभर की खेल प्रतिभाओं ने भाग लिया और खिलाड़ियों के प्रदर्शन से हरियाणा में नेटबॉल का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। पुरुष वर्ग में तीसरे स्थान के मुकाबले में सोनीपत ने कैथल को हराया, जबकि फाइनल में रोहतक ने पलवल को पराजित कर पहला स्थान हासिल किया। पलवल की टीम उपविजेता रही। महिला वर्ग में तीसरे स्थान के मुकाबले में जींद ने रोहतक को हराया, जबकि फाइनल में सोनीपत ने पलवल को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। पलवल दूसरे स्थान पर रहा। समापन समारोह में नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष सुमन कौशिक मुख्य अतिथि रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में विकास शर्मा, प्रमोद, शबनम दहिया, रॉबिन मलिक, करण सिंह डागर, संसार दहिया और सुनीता मौजूद रहे। विजेता और उपविजेता टीमों को सम्मानित किया।

शाहपुर तगा में वाल्मीकि भवन का शिलान्यास मंत्रियों-विधायक ने की 33 लाख देने की घोषणा

वाल्मीकि समाज का ऋणी हूं, विकास के लिए हमेशा खड़ा रहूंगा : कादियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

गांव शाहपुर तगा में रविवार को वाल्मीकि भवन शिलान्यास समारोह का आयोजन हुआ। समारोह में प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महर्षि वाल्मीकि भवन कल्याण समिति के अध्यक्ष मुकेश सौदा ने की। समारोह में समाज के लोगों ने अतिथियों का फूलमालाओं व पगड़ी से स्वागत किया और समापन पर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और विधायक देवेंद्र कादियान ने वाल्मीकि भवन निर्माण के लिए 11-11 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। विधायक कादियान ने पहले भी भवन की नींव रखने पर 5 लाख रुपए की राशि दी है।

गन्नौर। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, विधायक देवेंद्र कादियान ने वाल्मीकि भवन निर्माण शिलान्यास करते हुए। फोटो : हरिभूमि

समाज की प्रगति शिक्षा और एकजुटता से संभव: बेदी

विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि जनता ने उन्हें विधानसभा भेजकर क्षेत्र और समाज के विकास की जिम्मेदारी सौंपी है, जिसे वे पूरी निष्ठा से निभा रहे है। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने भगवान वाल्मीकि के जीवन और उनके आदर्शों का उल्लेख करते हुए समाज से शिक्षा, अनुशासन और संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति शिक्षा और एकजुटता से ही संभव है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भगवान वाल्मीकि के नाम पर देशभर में विभिन्न विकास कार्य और संस्थानों का निर्माण हो रहा है तथा समाज को उनका सम्मान मिल रहा है। वहीं, कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि भगवान वाल्मीकि का योगदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है और ऐसे भवन सामाजिक समरसता को मजबूत करेंगे। इस अवसर पर सरपंच गीता त्यागी, बीजेपी नेता प्रदीप सांगवान, ब्लॉक समिति चेयरमैन अनिल कुमार, शमशेर सिंह तूफान, सरपंच प्रतिनिधि सुंदरलाल, , गुरमेल सरपंच, महेश त्यागी सरपंच, त्यागी, मोनू त्यागी, बिरजू पहलवान, अंकित मल्होत्रा, अमित टांक, सुशील, नरेश, अमृत पहलवान, सतबीर सिंह महाराज, बॉबी, अशोक चौहान, राकेश कुमार, संजय कुमार, वेदप्रकाश समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010